राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : चित्रकला
पाठ 8 : समकालीन भारतीय कला के पुरोगामी कलाकार
कार्यपत्रक - 8

1. राजा रवि वर्मा की कृतियों में विशेष रूप से उनके तैल चित्रों में पाश्चात्य झलक मिलती है, ऐसा क्यों कहा जाता है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिये ।

2. बंगाल स्कूल के चित्रकार भारतीय कला के आदर्शवाद के प्रयोग को प्रधानता देते थे। क्या आप सहमत हैं, व्याख्या कीजिये ।

3. पारंपरिक जलवर्ण तक़नीकों के विषय में आप क्या जानते हैं, क्या आपने इन का प्रयोग किया है और कैसे?उल्लेख कीजिये।

4. अमृता शेरगिल कला के क्षेत्र में प्रभाववादोत्तर कलाकारों से प्रभावित थीं सिद्ध कीजिये ।

5. भारतीय तथा पाश्चात्य चित्रकला की तक़नीक के मध्य दो अंतर अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिये ।

6. आप जानते होंगे कि रवि वर्मा भारत के सर्वाधिक प्रसिद्ध चित्रकारों में से एक हैं। उनकी कौन-सी तक़नीक आपको सर्वाधिक प्रिय है तथा क्यों?स्पष्ट कीजिये।

7. अमृता शेरगिल के अधिकतर चित्र देश प्रेम की झलक दर्शाते हैं। उनके द्वारा अपनी कलाकृतियों में प्रयोग किये गये अन्य विषयों को विस्तार से स्पष्ट कीजिये।

8. अमृता शेरगिल की रचना 'ब्रह्मचारी' की कौन सी विशेषतायें आपको सर्वाधिक प्रिय हैं,लिखें।

9. 1910 -1921 के मध्य गगनेंद्रनाथ टैगोर ने अद्भुत रेखा चित्र बनाये थे। उनमें से कौन सी कृति आपको सर्वाधिक प्रिय है तथा क्यों?कारण लिखिए।

10. 'आट्रियम रचनाघनवाद के प्रभाव का एक उत्तम उदाहरण है'। अपने शब्दों में व्याख्या कीजिये।